समाचार

रोका–छेका संकल्प अभियान का हुआ शुभारंभ

(महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने आयुक्त श्री कुलदीप शर्मा की उपस्थिति में किया अभियान का शुभारंभ)

कोरबा 01 जुलाई 2021 –नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में आज 01 जुलाई से रोका–छेका संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने आयुक्त श्री कुलदीप शर्मा की उपस्थिति में अभियान का श्रीगणेश किया, उन्होने गाय को चारा खिलाकर एवं नारियल तोड़कर अभियान का शुभारंभ कराया। इस मौके पर निगम के जनप्रतिनिधिगण, पशुपालक एवं अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

राज्य शासन के दिशा निर्देशों के तहत नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में आज 01 जुलाई 2021 से रोका–छेका संकल्प अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। निगम के गोकुलनगर स्थित गोठान में महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद एवं आयुक्त श्री कुलदीप शर्मा ने पहुंच कर अभियान का विधिवत शुभारंभ कराया, उन्होने गाय को चारा खिलाया तथा नारियल तोड़कर अभियान की शुरूआत कराई। इस मौके पर महिला स्वसहायता समूह की सदस्यों ने महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद, आयुक्त श्री कुलदीप शर्मा सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। महापौर एवं आयुक्त ने महिला स्वसहायता द्वारा गोबर से बनाई गई मूर्तियों का अवलोकन किया तथा महिलाओं की इस नवाचार की सराहना की। अभियान शुभारंभ के अवसर पर निगम के अपर आयुक्त श्री अशोक शर्मा, मेयर इन काउंसिल सदस्य सपना चौहान, संतोष राठौर, पालूराम साहू, सुखसागर निर्मलकर, एल्डरमेन आरिफ खान, कुसुम द्विवेदी, निगम के जोन कमिश्नर आर.के.चौबे, गोधन न्याय योजना के नोडल अधिकारी एम.एन.सरकार, रोका–छेका अभियान के नोडल अधिकारी बी.पी.त्रिवेदी, सम्पत्तिकर अधिकारी श्रीधर बनाफर, दुग्ध विक्रेता संघ के अध्यक्ष रामनरेश शर्मा सहित पशुपालकगण व अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

गोठान का किया निरीक्षण– महापौर श्री प्रसाद एवं आयुक्त श्री शर्मा ने गोकुलनगर गोठान का निरीक्षण किया, वर्मी कम्पोस्ट पिटों का अवलोकन करते हुए बनाए जा रहे वर्मी कम्पोस्ट खाद की गुणवत्ता का परीक्षण किया, उन्होने उक्त गोठान के साथ–साथ सभी गोठानों में रखे गए गोबर व खाद के सुरक्षित भण्डारण किए जाने के संबंध में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए, साथ ही बनाए गए वर्मी कम्पोस्ट व सुपर कम्पोस्ट की शतप्रतिशत बिक्री सुनिश्चित करने तथा इस दिशा में त्वरित रूप से आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

गोठान की व्यवस्थाओं को दुरूस्त रखें– आयुक्त श्री शर्मा ने गोठान में मवेशियों के आहार हेतु शीघ्र घांस लगाने के निर्देश दिए जाने के साथ–साथ गोठान की सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने, चारे, पानी की सतत उपलब्धता बनाए रखने, मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने, वर्षा ऋतु को देखते हुए गोठानों में मवेशियों की सुरक्षा हेतु आवश्यक प्रबंध करने, वर्षा होने पर गोठान के अंदर पानी का जमाव न हों, इस हेतु जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने, पशुओं के बैठने हेतु कीचड़ आदि से मुक्त स्थान की उपलब्धता गोठान परिसर में सुनिश्चित करने सहित अन्य महत्वपूर्ण दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

पशुपालकों से भराए गए संकल्प पत्र– नगर निगम कोरबा क्षेत्र के अंतर्गत निवासरत पशुपालकों से रोका–छेका संकल्प पत्र भराए गए, इस हेतु निगम अमले ने पशुपालकों के ठिकानों पर पहुंचकर संकल्प पत्र भरवाया। पशुपालकों ने अपने आसपास के वातावरण एवं अपने शहर को स्वच्छ, साफ–सुथरा तथा दुर्घटना मुक्त रखने के लिए यह संकल्प लिया कि वे अपने मवेशियों को शहर की सड़कों में नहीं छोड़ेगें तथा उन्हें अपने स्थान पर रखकर चारे, पानी की समुचित व्यवस्था करेंगे।

पशुपालक मवेशियों को सड़कों पर न छोड़े– महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद एवं आयुक्त श्री कुलदीप शर्मा ने निगम क्षेत्र में निवासरत समस्त पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पालतू मवेशियों को सड़कों पर खुला न छोड़े, घर पर ही सुरक्षित रूप से रखें। उन्होने कहा कि मवेशियों के सड़कों पर स्वच्छंद विचरण से आमजन को आवागमन में असुविधा होती है, दुर्घटना की संभावना बनी रहती है तथा मवेशियों को भी चोट लगने, घायल होने का भय बना रहता है, अतः मवेशियों को घर पर ही सुरक्षित रखें। उन्होने कहा कि निगम द्वारा रोका–छेका अभियान के तहत सड़कों से मवेशियों को उठाकर कांजीघर पहुंचाया जा रहा है, निर्धारित अर्थदण्ड अदा करने के बाद ही कांजीघरों से मवेशियों को छोड़ा जाएगा, अतः अर्थदण्ड व असुविधा से बचने के लिए मवेशियों को सड़कों पर खुला न छोड़े।

सघन रूप से चलाएं रोका–छेका अभियान– आयुक्त श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम क्षेत्र के सभी मुख्य मार्गो, संपर्क सड़कों, सार्वजनिक स्थानों आदि में सघन रूप से रोका–छेका अभियान चलाएं, खुले में घूमते हुए मवेशियों को काऊकेचर के माध्यम से गोठान व कांजीघर में सुरक्षित रूप से पहुंचाएं। गोठान के साथ–साथ कांजीघरों में भी मवेशियों के लिए चारा, पैरा व शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था अबाध रूप से रहे, यह सुनिश्चित करें, साथ ही मवेशियों का समय–समय में स्वास्थ्य परीक्षण भी कराएं।